देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 26.04.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल्पक्कम फास्ट ब्रीडर परमाणु रिएक्टर के चालू होने पर परमाणु वैज्ञानिकों की प्रशंसा की। कहा– असैन्य परमाणु कार्यक्रम, राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

- आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने मौजूदा जनगणना अभियान में पूर्ण जनभागीदारी की अपील की। कहा– दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित।

- आगामी 28 अप्रैल से प्रस्तावित उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ऋतू खंडूरी भूषण ने सुरक्षा बैठक की।

- आदि कैलाश एवं ॐ पर्वत यात्रा–2026 को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पिथौरागढ़ द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

.....

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के कल्पक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को चालू करने में सफलता हासिल करने पर देश के परमाणु वैज्ञानिकों की सराहना की है। आकाशवाणी से आज मन की बात कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री ने कहा कि परमाणु ऊर्जा यात्रा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से भारत का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि असैन्य परमाणु कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है

श्री मोदी ने कहा कि भारत के विकास के लिए सौर और पवन ऊर्जा आवश्यक हैं तथा युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा जनगणना अभियान को विश्व का सबसे बड़ा जनगणना अभियान बताया। प्रधानमंत्री ने इस अभियान में पूर्ण जन भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनगणना के लिए सभी जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज की जा रही है।

श्री मोदी ने बच्चों को गर्मियों की छुट्टी का भरपूर आनंद लने और कुछ नया सीखने की सलाह भी दी।

हेमकुंट साहिब यात्रा 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुद्वारा हेमकुंट साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुलाकात कर आगामी यात्रा को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन–प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए हर संभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। यात्रा व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्री बिंद्रा ने बताया कि 20 मई 2026 को हेमकुंट साहिब यात्रा 2026 के पहले जत्थे का विदाई समारोह आयोजित होगा। इस पहले जत्थे का नेतृत्व पारंपरिक रूप से पंज प्यारों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया हेमकुंट साहिब यात्रा 2026 के कपाट 23 मई 2026 को खुलने वाले हैं।

विधानसभा सत्र

आगामी 28 अप्रैल से प्रस्तावित उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में विधानसभा अध्यक्ष ऋतू खंडूरी भूषण ने आलाअधिकारियों के साथ सुरक्षा बैठक की है। इस दौरान सत्र की सुरक्षा को लेकर तमाम बिंदुओं पर चर्चा की गई। विधानसभा अध्यक्ष का कहना है कि मंगलवार के दिन विशेष सत्र का आयोजन किया जा रहा है, जिसको देखते हुए अधिकारियों को व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए है।

आदि कैलाश एवं ॐ पर्वत यात्रा–2026

आदि कैलाश एवं ॐ पर्वत यात्रा–2026 को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पिथौरागढ़ द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिलाधिकारी आशीष भटगांई के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय टीम द्वारा धारचूला क्षेत्र अंतर्गत गूंजी में यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान टीम ने गूंजी में बनाए गए आवासीय स्थलों, टेंट कॉलोनियों, विश्राम गृहों तथा अस्थायी शिविरों का निरीक्षण करते हुए यात्रियों के ठहरने की क्षमता एवं व्यवस्थाओं की गुणवत्ता का आकलन किया। जिलाधिकारी आशीष भटगाई ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 तारीख से यात्रा शुरू हो जाएगी, जिससे पहले तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी।

नैनीताल

नैनीताल जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में करीब एक दशक बाद पर्यटकों को फिर से पूरे दिन जंगल सफारी का रोमांच मिलने वाला है। पार्क प्रशासन ने बिजरानी और झिरना जोन में फुल डे सफारी शुरू करने का निर्णय लिया है। इससे पर्यटन को नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पार्क निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि बिजरानी और झिरना जोन में दो–दो जिप्सियों से पर्यटकों को पूरे दिन की सफारी कराई जाएगी।

चमोली

चमोली जिले के पोखरी का जिलासू क्षेत्र की आराध्य देवी की 12 साल बाद आयोजित दिवारा यात्रा के बाद 9 दिवसीय बन्याथ महायज्ञ कार्यक्रम का समापन्न हो गया है। समापन्न दिवस पर 27 वानी गांवो के अलावा दूर दूर से पधारे भक्तों की आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पूर्णाहूति के बाद माता चण्डिका के ब्रह्म की भावुक विदाई की गई। इस अवसर पर चण्डिका माता दिवारा समिति जिलासू के सचिव ईश्वर राणा का कहना है कि 8 माह तक चण्डिका माता विभिन्न क्षेत्रो में अपने भक्तो व धियाणियो को आशीर्वाद देने पंहुची, जिसके बाद यहां बन्याथ व महायज्ञ किया गया है।